पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने हिन्दी साहित्यकारों को सम्मानित किया

लखनऊः 15 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज विश्वेश्वरैया सभागार में अखिल भारतीय मंचीय कवि पीठ उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में देश-विदेश के हिन्दी साहित्यकारों को सम्मानित करते हुए कहा कि हिन्दी के विकास के लिए अन्य भाषाओं को साथ लेकर आगे बढे तो देश का स्वाभिमान बढेगा। हिन्दी में एकजुट करने की बहुत ताकत है। हिन्दी बोलने वाले लोगों का विश्व में चैथा स्थान है। हिन्दी भाषा को सबसे ज्यादा समझा जाता है। उन्होंने कहा कि हिन्दी को हृदय तक ले जाने का कार्य कवि और साहित्यकार करते हैं। हिन्दी को बढ़ावा देने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि देश एवं विदेश के हिन्दीभाषी साहित्यकारों का सम्मान करना वास्तव में हिन्दी की बहुत बड़ी सेवा है।

श्री नाईक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से हिन्दी के लिये जिस चेतना का निर्माण होता है वह महत्वपूर्ण है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने में हिन्दी में भाषण दिया और वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी यू0एन0ओ0 सहित अपने विदेशी दौरों पर हिन्दीं भाषा का प्रयोग किया। श्री अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी के बडे कवि हैं और हजारों लोग उनकी कवितायें सुनने आते थें। फिल्म जगत ने भी बडे पैमाने पर हिन्दी भाषा की सेवा की है। उन्होंने कहा कि हिन्दी के विकास एवं प्रचार के लिए ऐसे आयोजन के माध्यम से हिन्दी का इतिहास लोगों तक पहुँचाना प्रसंशनीय कार्य है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर श्री उदय प्रताप सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ को सरस्वती शिखर अलंकरण, प्रो0 सुभाष घई (कनाडा) को हिन्दी कविता की वाचिक परम्परा का सर्वोच्च सम्मान उपलब्धि सम्मान दिया तथा विश्व हिन्दी सेवा सम्मान से डाॅ0 हेमराज सुंदर (मारिशस), डाॅ0 बुद्धिनाथ मिश्रा, देहरादून, डाॅ0 जय वर्मा, नाटिंघम, डाॅ0 गंगा प्रसाद शर्मा, चीन, डाॅ0 देवी नागरानी, न्यूजर्सी, डाॅ0 सतीश चन्द्र मिश्रा, न्यूयार्क, डाॅ0 वेदप्रकाश बटुक, कैलीफोर्निया, डाॅ0 मृदुल कीर्ति, अटलांटा, डाॅ0 महावीर प्रसाद नेवटिया, मुम्बई, डाॅ0 चन्द्रशेखर शुक्ला, मुम्बई, डाॅ0 सुरेश चन्द्र शुक्ला, नार्वे, डाॅ0 मंजु मिश्रा, कैलीफोर्निया, डाॅ0 यास्मीन सुल्ताना नकवी, जापान तथा डाॅ0 सुदर्शन प्रियदर्शनी, ओहायों आदि को सम्मानित किया। इस अवसर पर हिन्दी सेवा के लिए शारदा सम्मान व सृजन सम्मान भी प्रदान किये गये।

कार्यक्रम में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री, श्री शिवपाल सिंह यादव, श्री राम नरेश यादव मिनी पूर्व सदस्य विधान परिषद सहित भारी संख्या मंे हिन्दी प्रेमीजन उपस्थित थे।

द्विदिवसीय
हिन्दी कविता समारोह–2014

द्विदिवसीय
अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी कविता समारोह–2014
अमेरिका, चीन, कनाडा, जापान, मारिशस, इंग्लैंड तथा भारतीय कवियों, हिन्दी सेवियों का सम्मान
श्री माता प्रसाद पाण्डेय
श्रद्धेय श्री केशरी नाथ त्रिपाठी

दिनाँक 15 नवम्बर, 2014, शनिवार, सायं 4 बजे से (प्रथम सत्र)
उद्घाटन, लोकार्पण, सम्मान एवं कवि सम्मेलन
श्रद्धेय श्री राम नाइक जी
माननीय राज्यपाल, उ०प्र०
श्री शिवपाल सिंह यादव
मा० मंत्री, उ०प्र० सरकार
श्री राम नरेश यादव (मिनी)
पूर्व स.वि.प. उत्तर प्रदेश
सरस्वती शिखर अलंकरण
वरिष्ठ कवि श्री उदय प्रताप सिंह (लखनऊ)
का० अध्यक्ष, उ०प्र० हिन्दी संस्थान
उपलब्धि-2014 सम्मान
प्रो० सरन घई (कनाडा)
देश–विदेश के 30 अन्य साहित्यकारों का सम्मान
अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी कवि सम्मेलन
डॉ0 कमलेश द्विवेदी
मो. 8081967020
दिनाँक 16 नवम्बर, 2014, रविवार, पूर्वाह्न 11 बजे (तृतीय सत्र)
परिचर्चा – प्रवासी भारतीय साहित्यकारों द्वारा विश्व में हिन्दी कविता की प्रतिष्ठा
उद्घाटन, लोकार्पण, सम्मान/अभिनन्दन एवं कवि सम्मेलन
श्री माता प्रसाद पाण्डेय
मा० अध्यक्ष, विधान सभा, उ०प्र०
मुख्य अतिथि
श्रद्धेय श्री केशरी नाथ त्रिपाठी
डॉ० दिनेश शर्मा,
श्री सुधीर हलवासिया,
उपलब्धि-2014 सम्मान
डॉ० विष्णु सक्सेना
देश–विदेश के 30 अन्य साहित्यकारों
अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी कवि
अखिल भारतीय मंचीय कवि पीठ, उ०प्र०
वाचिक परम्परा
आयोजक : अखिल भारतीय
कवि पीठ उत्तर
की ध्वजवाहक संस्था)